बाल्फोर घोषणा-पत्र

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस]

हाल ही में [बाल्फोर घोषणा-पत्र] **को 107 वर्ष** पूरे हुए, जो **2 नवम्बर, 1917 को जारी किया गया था।**

- **बाल्फोर घोषणा-पत्र** (जिसका नाम ब्रिटिश विदेश सचिव **आर्थर जेम्स बाल्फोर** के नाम पर रखा गया) **प्रथम विश्व युद्ध** के दौरान **ब्रिटिश सरकार** द्वारा जारी किया गया एक **सार्वजनिक दस्तावेज़ था।**
    - **इसमें** [फिलिस्तीन] में **"यहूदी लोगों के लिये** होमलैंड" की स्थापना का समर्थन किया गया, जो उस समय एक**ओटोमन क्षेत्र था, जहाँ यहूदी अल्पसंख्यक** आबादी कम थी।
- यह घोषणा-पत्र **यूरोप में** बढ़ते उत्पीड़न के बीच **यहूदियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये जारी किया गया था।**
- **मैकमोहन-हुसैन कॉरस्पोंडेंस (1915-1916)** में ब्रिटेन के पूर्व वादे के **विपरीत था, जिसमें उसने** [ओटोमन साम्राज्य] के विरुद्ध अरब की सहायता के बदले में एक **स्वतंत्र अरब राज्य का समर्थन करने का वादा किया था।**
- **ब्रिटेन ने मित्र राष्ट्रों** के लिये यहूदियों का समर्थन मांगा ताकि **अमेरिका और रूस** में यहूदी समुदायों को प्रभावित किया जा सके, साथ ही **फिलिस्तीन पर नियंत्रण को** [स्वेज़ नहर] और **भारत में ब्रिटिश हितों** की रक्षा के लिये महत्त्वपूर्ण माना।

//

इज़राइल-फिलिस्तीन संघर्ष

इज़राइल-फिलिस्तीन संघर्ष, मध्य पूर्व में क्षेत्र और आत्मनिर्णय पर एक लंबे समय से चला आ रहा भूराजनीतिक विवाद है।

शुरुआत

- **संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 1947 में प्रस्ताव 181**- विभाजन योजना का अंगीकरण किया
- वर्ष 1948 में इज़राइल राज्य का निर्माण हुआ, जिससे पहले अरब-इज़रायल युद्ध की शुरुआत हुई (इज़राइल को जीत हासिल हुई)
  - फिलिस्तीनी विस्थापित हुए
  - **क्षेत्र का विभाजन**- इज़राइल राज्य, वेस्ट बैंक और गाज़ा पट्टी

प्रारंभिक तनाव और संघर्ष (1956-1979)

- स्वेज संकट और वर्ष **1956** में सिनाई प्रायद्वीप पर इज़रायली आक्रमण
- **छह दिवसीय युद्ध (वर्ष 1967)**- इज़राइल ने सिनाई प्रायद्वीप, गाज़ा पट्टी, वेस्ट बैंक, पूर्वी येरुशलम और गोलन हाइट्स पर नियंत्रण हासिल कर लिया।

जेरूसलम के राजधानी बनाने पर विवाद

- **इज़राइल का दृष्टिकोण:** पूर्ण और एकजुट येरुशलम
- **फिलिस्तीनियों का दृष्टिकोण:** पूर्वी येरुशलम भविष्य की राजधानी

- **योम किप्पुर युद्ध (1973)**- मिस्र और सीरिया द्वारा आश्चर्यजनक हमला
- **कैंप डेविड एकॉर्ड्स (1979)** मिस्र और इज़राइल के बीच

इंतिफादा (अरबी में 'हिला देना')

- **पहला इंतिफ़ादा**- वर्ष 1987 से 1993 तक
  - **हमास (वर्ष 1987)**- एक फिलिस्तीनी राजनीतिक दल जिसे अमेरिका द्वारा एक विदेशी आतंकवादी संगठन के रूप में नामित किया गया था, की स्थापना का नेतृत्व किया
  - **प्रतिक्रिया**- मैड्रिड सम्मेलन, 1991 (अमेरिका और रूस की अध्यक्षता में)
- **दूसरा इंतिफादा**- वर्ष 2000-2005
- नवीनतम वृद्धि (वर्ष 2023) को "तीसरी इंतिफ़ादा" की शुरुआत कहा जा रहा है

ओस्लो समझौता (अमेरिका द्वारा मध्यस्थता)

- **प्रथम (1993)**
  - वेस्ट बैंक और गाज़ा में फिलिस्तीनी स्वशासन के लिये ESTD ढाँचा
  - इज़राइल और फिलिस्तीन के बीच पारस्परिक मान्यता को सक्षम बनाया गया
- **दूसरा (1995)**
  - ओस्लो I समझौते पर विस्तारित
  - वेस्ट बैंक के कई शहरों और कस्बों से इज़राइल की पूर्ण वापसी अनिवार्य है

वर्ष 2000 के बाद का संघर्ष और प्रतिक्रियाएँ

- 2013- अमेरिका के नेतृत्व में शांति प्रक्रिया शुरू हुई
- 2014-18- गाज़ा संघर्ष (2014)
  - फिलिस्तीन ने ओस्लो समझौते (2015) के तहत क्षेत्रीय विभाजन से अलग होने की घोषणा की
- 2018-20- अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र राहत एवं कार्य एजेंसी (UNRWA) के तहत फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिये फंडिंग रद्द कर दी
  - अमेरिका ने **"शांति से समृद्धि"** योजना का प्रस्ताव रखा
- 2020: अब्राहम समझौता
- 2022-2023:
  - इज़राइल ने जेनिन शरणार्थी शिविर पर किया हमला
  - हमास ने **"ऑपरेशन अल-अक्सा फ्लड"** लॉन्च किया तथा इज़राइल ने **"ऑपरेशन आयरन स्वॉर्ड्स"** लॉन्च किया (दोनों वर्ष 2023 में)
    - इज़राइल ने युद्ध की स्थिति घोषित कर दी
  - **भारत का रुख:**
    - इज़राइल और फ़िलिस्तीन के लिये दो राज्य समाधान का समर्थन करता है
    - हाल ही में इज़राइल पर हमास के हमले की निंदा की

दृष्टि The Vision
Drishti IAS

और पढ़ें: [इज़रायल-फिलिस्तीन](https://www.drishtiias.com) संघर्ष

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/balfour-declaration